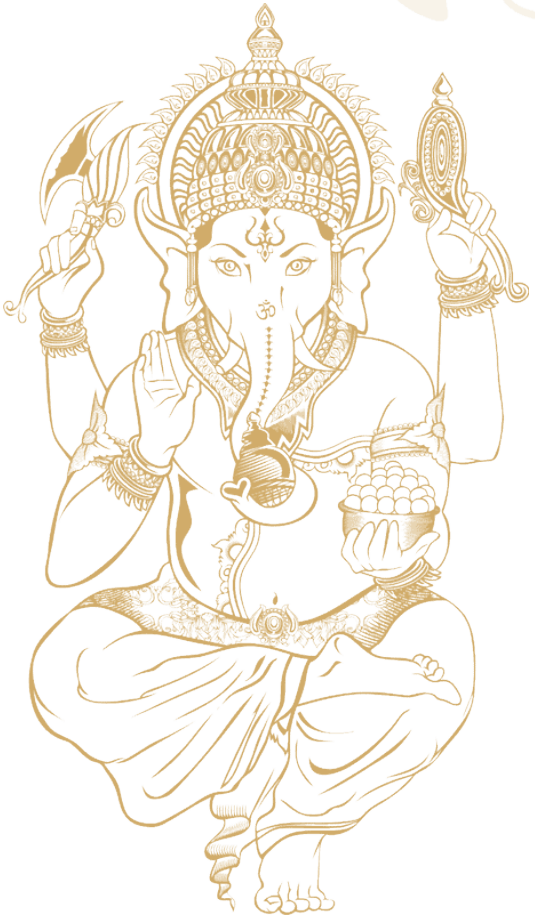

Shubham Kajal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120977501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120977501 Date: 19/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/09/1996	जन्म तिथि	09/08/1997
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:15:00	जन्म समय	11:45:00 घंटे
घटी 17:49:44	जन्म समय(घटी)	15:03:39 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Saharanpur
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:06	सूर्योदय	05:43:32
18:18:45	सूर्यास्त	19:06:31
23:48:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:23

धनु	लग्न	तुला
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
धनु	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
मूल	नक्षत्र	चित्रा
केतु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	2
आयुष्मान	योग	साध्य
विष्टि	करण	कौलव
ये-येरुसलम	जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	व्याघ्र
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 0मा 8दि		05:05:45	धनु	लग्न	तुला	09:58:59	मंगल 4वर्ष 10मा 16दि	
सूर्य		03:48:52	कन्या	सूर्य	कर्क	22:52:50	गुरु	
29/09/2022		01:51:30	धनु	चंद्र	कन्या	27:22:32	25/06/2020	
29/09/2028		12:42:12	कर्क	मंगल	तुला	03:04:23	25/06/2036	
सूर्य	17/01/2023	28:21:01	सिंह व	बुध	सिंह	19:23:27	गुरु	13/08/2022
चन्द्र	19/07/2023	14:26:58	धनु	गुरु व	मक	23:13:01	शनि	24/02/2025
मंगल	23/11/2023	20:29:25	कर्क	शुक्र	सिंह	26:13:51	बुध	02/06/2027
राहु	17/10/2024	10:39:27	मीन व	शनि व	मीन	26:29:18	केतु	07/05/2028
गुरु	05/08/2025	14:14:07	कन्या व	राहु	सिंह	26:16:13	शुक्र	06/01/2031
शनि	18/07/2026	14:14:07	मीन व	केतु	कुंभ	26:16:13	सूर्य	26/10/2031
बुध	25/05/2027	06:59:22	मक व	हर्ष व	मक	12:27:31	चन्द्र	24/02/2033
केतु	30/09/2027	01:14:14	मक व	नेप व	मक	04:14:34	मंगल	31/01/2034
शुक्र	29/09/2028	06:58:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:00:34	राहु	25/06/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:43 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:23

लग्न-चलित

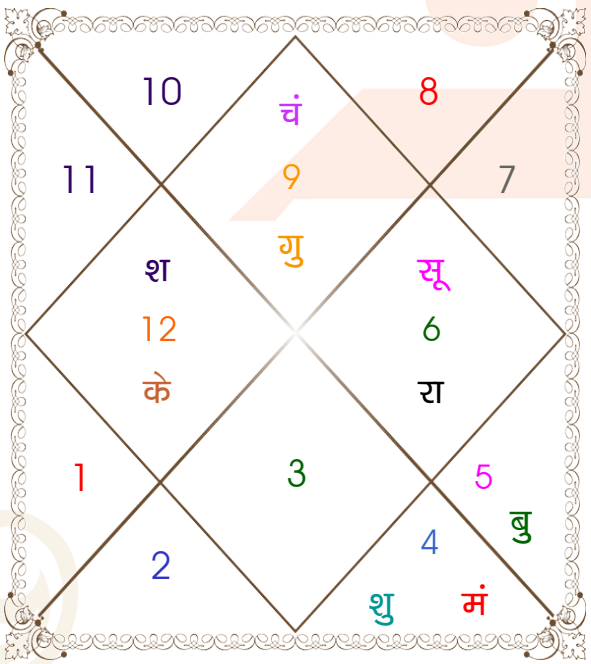

लग्न-चलित

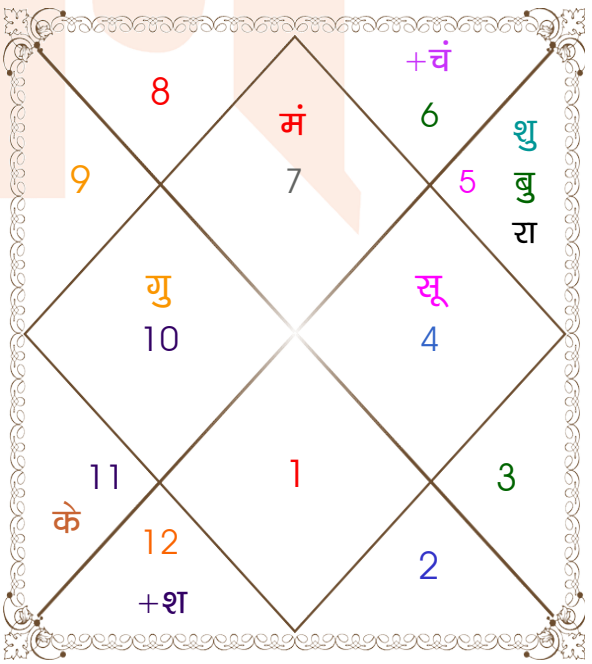

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

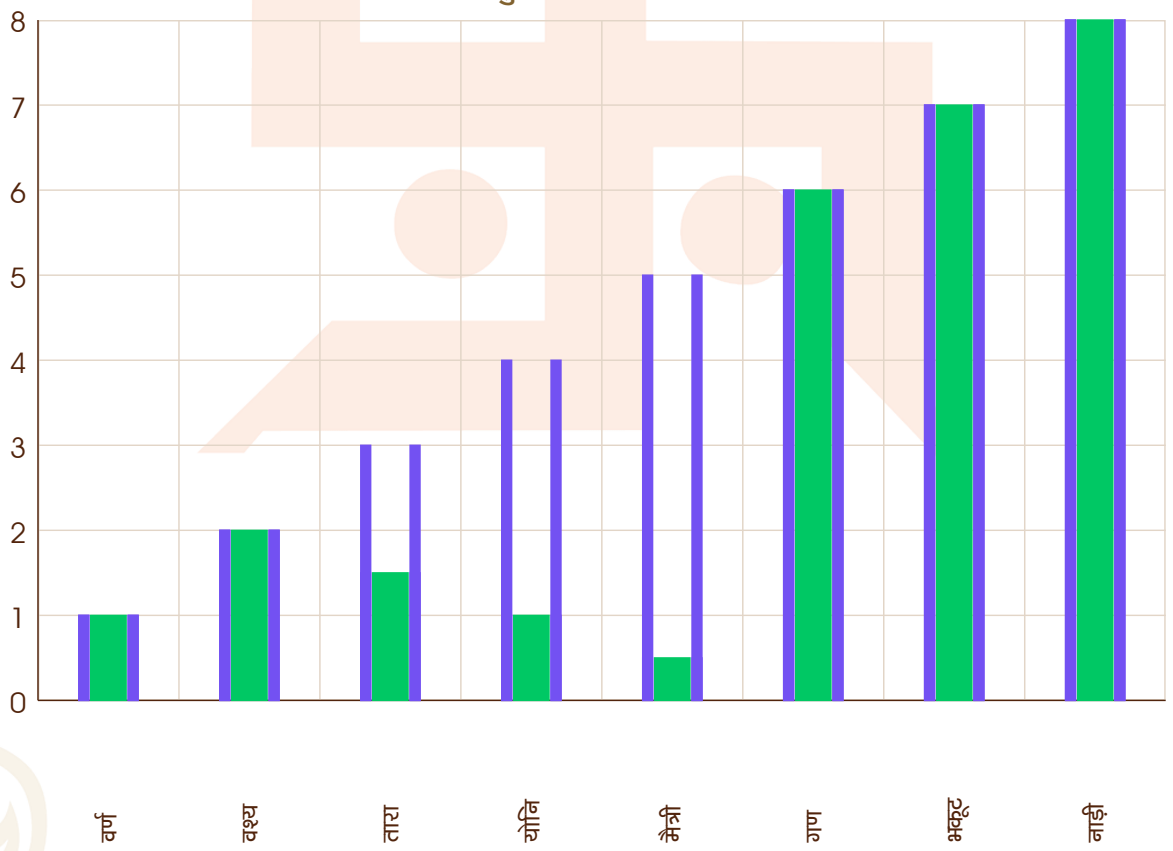

अष्टकूट मिलान

ैनड्डींउ का वर्ग मृग है तथा झ्ंरंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैनड्डींउ और झ्ंरंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनड्डींउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढष्ष्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल ैनड्डींउ कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

झ्ंरंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु झ्ंरंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनड्डींउ तथा झ्ंरंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैनड्ढीउ का वर्ण क्षत्रिय तथा ड्ढरंस का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश ड्ढरंस आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही ड्ढरंस की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

ैनड्ढीउ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ड्ढरंस का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा।ैनड्ढीउ एवं ड्ढरंस दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

ैनड्ढीउ की तारा साधक तथा ड्ढरंस की तारा प्रत्यरि है। ड्ढरंस की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाहैनड्ढीउ एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। ड्ढरंस का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही ड्ढरंस के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है।ैनड्ढीउ अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

ैनड्ढीउ की योनि श्वान है तथा ड्ढरंस की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौनईंउ का राशि स्वामी झंरंस के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि झंरंस का राशि स्वामी ौनईंउ के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ौनईंउ का गण राक्षस है तथा झंरंस का गण भी राक्षस है। अर्थात झंरंस का गण ौनईंउ के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ौनईंउ एवं झंरंस दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

ौनईंउ से झंरंस की राशि दशम भाव में स्थित है तथा झंरंस से ौनईंउ की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ौनईंउ एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। झंरंस को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। झंरंस हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

ौनईंउ की नाड़ी आद्य है तथा झंरंस की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के

लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौनईंउ की जन्मराशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा झंरंस की राशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। अग्नि एवं भूमितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी तथा संबंधों में भी तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन में परेशानी होगी अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

ौनईंउ की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा झंरंस की राशि का स्वामी बुध शत्रु एवं सम राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में मधुरता की कमी होगी।

ौनईंउ और झंरंस की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा एक दूसरे के प्रति इनके मन में सहयोग सदभाव तथा समर्पण का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के सुख दुख में सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करके गुणों की प्रशंसा करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में शुभता आएगी।

ौनईंउ और झंरंस दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही एक दूसरे को दाम्पत्य सुख में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

ौनईंउ का वर्ण क्षत्रिय तथा झंरंस का वर्ण वैश्य है। अतःौनईंउ की प्रवृति पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को करने की रहेगी तथा झंरंस धनार्जन संबधी कार्यो में कुशल होंगी तथा वणिक बुद्धि से समस्त कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

ौनईंउ और झंरंस दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ैनिडीइ की नाड़ी आद्य तथा झंरंस की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ हीं ैनिडीइ हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा झंरंस को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से ैनिडीइ के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा झंरंस भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए ैनिडीइ और झंरंस को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से ैनिडीइ और झंरंस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति झंरंस के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः झंरंस को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ैनिडीइ और झंरंस बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः ैनिडीइ और झंरंस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

झंरंस के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी झंरंस को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः झंरंस को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ झंरंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से झंरंस सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

ौनईींउ के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न हीौनईींउ उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोणौनईींउ के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।